www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 162 | जौनपुर मंगलवार, 27 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद : सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। सोमवार देर शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों की ध्यान से बात सुनी, उनके प्रार्थना पत्र को पढ़ा। और, फिर आत्मीयता से बोले, 'घबराइए मत, समस्या का समाधान कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन के दौरान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनेपन के भाव मे 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक–एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने खूब प्यार दुलार दिया। उन्हें स्कूल जाने और पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट भी दी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंश का नाम लेकर पुकारा। गोवंश के पास आने पर उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें रोटी–गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचने पर एक मोर भी उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री इस मोर को पुंज नाम से पुकारते हैं। सीएम योगी ने गोशाला में मोर पर भी स्नेह लुटाया। उन्होंने रोटी के छोटे टुकड़े कर अपने हाथों से मोर को खिलाया।

हरियाणा प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा : सीएम सैनी

हरियाणा, (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि राज्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप तेजी से प्रगति कर रहा है। गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद यहां ताऊ देवी लाल स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि राज्य सरकार जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए सरकार के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गरीबों के उत्थान के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं और ये राज्य भर में प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। दिन में इससे पहले मुख्यमंत्री ने वीर शहीदी स्मारक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। सैनी ने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और विश्व मंच पर एक नयी पहचान स्थापित कर रहा है, जो प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। अक्टूबर 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले किए गए वादों पर बोलते हुए, सैनी ने कहा कि सरकार ने 54 वादे पूरे कर दिए हैं, जबकि शेष 163 वादों का काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 11 वर्षों में योग्यता के आधार पर पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा ने राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पांच विभूतियों को पद्म श्री पुरस्कार मिलना गुजरात के लिए गौरव का विषय : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह गुजरात के लिए बहुत ही गौरव का विषय है कि अरविंद वैद्य, धर्मिकलाल चुन्नीलाल पांड्या, मीर हाजीभाई कासमभाई, नीलेश विनोदचंद्र मंडलेवाला और रतिलाल बोरीसागर का 'पद्म श्री' सम्मान के लिए चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाज के बीच रहकर राष्ट्र निर्माण के कार्यों को गति देने वाले निष्काम कर्मयोगियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करने की नई परंपरा विकसित हुई

है। समाजसेवा, शिक्षा, साहित्य एवं कला के क्षेत्र में इन महानुभावों ने अनवरत योगदान देकर अनेक लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया है। आप सभी और भी अधिक ऊर्जा से देश निर्माण के कार्यों को गति देंगे, यह कामना करता हूं। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, केंद्र सरकार ने 2026 के पद्म पुरस्कारों की घोषणा की, जो उन नागरिकों को सम्मानित करते हैं जिनका निरंतर योगदान देश की सांस्कृतिक और सामाजिक नींव को मजबूत करने में सहायक रहा है।इस वर्ष राष्ट्रीय सम्मान सूची में गुजरात का विशेष स्थान है, जहां राज्य के पांच व्यक्तियों को लोक कला और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। वडोदरा के 94 वर्षीय मानभट्ट लोक कथाकार, धर्मिकलाल पांड्या को सदियों पुरानी कथावाचन परंपरा को संरक्षित करने के लिए संगीत के क्षेत्र में पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। पांड्या ने मनभट्ट कला को अपना 73 वर्ष का जीवन समर्पित किया है, जिसमें उन्होंने शास्त्रीय संगीत, लय और कथावाचन का मिश्रण करके मौखिक परंपरा को जीवित रखा है।

पीएम मोदी ने प्रख्यात तमिल विद्वान प्रोफेसर ज्ञानसुंदरम के निधन पर शोक व्यक्त किया

चेन्नई, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रख्यात तमिल विद्वान और साहित्यकार टी. ज्ञानसुंदरम के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने उन्हें एक ऐसे महान व्यक्तित्व के रूप में याद किया, जिनका आजीवन समर्पण तमिल संस्कृति, साहित्य और विद्वत्ता को समृद्ध करता रहा। अपने शोक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रोफेसर ज्ञानसुंदरम के निधन से उन्हें गहरा दुख हुआ है और उन्होंने कहा कि तमिल साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं में उनका योगदान पाठकों और विद्वानों की पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।जनवरी 2024 में तिरुचिरापल्ली स्थित श्री रंगनाथस्वामी मंदिर की यात्रा के

दौरान हुई व्यक्तिगत मुलाकात को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कंब रामायण पर विद्वान की असाधारण पकड़ को रेखांकित किया और उस मुलाकात को यादगार और बौद्धिक रूप से ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार और प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और श्रद्धांजलि का समापन श्ओम शांतिश के साथ किया। प्रख्यात तमिल पंडित और केंद्रीय शास्त्रीय तमिल अध्ययन संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष, प्रोफेसर टी. ज्ञानसुंदरम (84), का 25 जनवरी को चेन्नई के एक निजी अस्पताल में वृद्धावस्था संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया।उन्हें हाल ही में तमिलनाडु सरकार द्वारा तमिल साहित्य में उनके बहुआयामी योगदान के सम्मान में प्रतिष्ठित इलक्किया मामानी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मयिलादुथुराई क्षेत्र के थिरासांदूर के पास कुझैयूर गांव में जन्मे, प्रोफेसर ज्ञानसुंदरम ने कुंभकोणम के सरकारी महाविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की, मद्रास विश्वविद्यालय से संस्कृत में डिप्लोमा प्राप्त किया और वैष्णव साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।उन्होंने अपने शैक्षणिक जीवन की शुरुआत चेन्नई के पचौयप्पा कॉलेज से की, जहां उन्होंने कई वर्षों तक तमिल विभाग के प्रमुख और बाद में कार्यवाहक प्रधानाचार्य के रूप में कार्य किया।

संविधान को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं : तेजस्वी यादव

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और देश के मौजूदा राजनीतिक व संवैधानिक हालात पर गहरी चिंता जताई। यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि गणतंत्र दिवस स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान निर्माताओं और अमर शहीदों को स्मरण करने का पावन अवसर है।

उन्होंने उन सभी वीरों को नमन किया जिन्होंने अपनी जान की कुर्बानी देकर देश को आजादी दिलाई और इसकी एकता व अखंडता की रक्षा की। यादव ने कहा कि राजग सरकार की सामाजिक, आर्थिक और संविधान–विरोधी नीतियों के कारण देश के हालात चिंताजनक हो गए हैं। यादव ने कहा कि संविधान लागू होने के दशकों बाद उसे और अधिक मजबूत करने के बजाय मौजूदा सरकार ऐसे कदम उठा रही है, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि जिन ताकतों का देश की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा, वही आज संविधान की मूल भावना पर प्रहार कर रही हैं। यादव ने यह भी कहा कि संविधान की प्रस्तावना को बदलने के प्रयास लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत हैं।

अखिलेश यादव ने की ममता बनर्जी से मुलाकात

कोलकाता, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। यह मुलाकात कोलकाता में राज्य सचिवालय श्नबन्नाश में हुई। अखिलेश यादव अपनी पत्नी और सांसद डिंपल यादव के साथ एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने कोलकाता आए थे। दोपहर करीब 1:40 बजे उन्होंने मुख्यमंत्री से उनके दफ्तर में बातचीत की। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस देश में सिर्फ दीदी ही भाजपा के हमलों का डटकर मुकाबला कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ममता बनर्जी ने जांच एजेंसी ईडी (ईडी) को हरा दिया है और वह आने वाले समय में भाजपा को भी हराएंगी। अखिलेश कहा, ठश्रच अभी तक पेन ड्राइव खोने का

दर्द नहीं भूल पाई है, यह कथित तौर पर उन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संदर्भ में था जिन्हें सीएम छापे के दौरान एजेंसी के तलाशी अभियान परिसर से बाहर लाई थीं। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह समाज में फूट डालने की राजनीति करती है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास पर सवाल

राहुल को असुरक्षित नेता बताने वाले पूर्व कांग्रेस सांसद का दावा- मिल रही धमकियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व सांसद शकील अहमद ने सोमवार को दावा किया कि उनकी जान को खतरा है। यह बात उन्होंने राहुल गांधी को असुरक्षित नेता कहने के कुछ दिनों बाद कही है। बिहार से तीन बार विधायक और दो बार सांसद रह चुके अहमद ने कहा कि कांग्रेस के साथियों ने उन्हें गुप्त रूप से जानकारी दी है। अहमद के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व ने उन पर हमला करने का आदेश दिया है। यह हमला मंगलवार को पटना और मधुबनी में उनके घर पर पुतला जलाने के बहाने हो सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने एक व्हाट्सएप चौट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जिसमें लोगों को उनका पुतला जलाने के लिए कहा गया था। अहमद ने कहा कि उन्हें कांग्रेस के दोस्तों के फोन आए थे, जिन्होंने उन्हें बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं को उन पर हमला करने के लिए कहा गया है। उन्होंने दावा किया कि इस आदेश के पीछे कांग्रेस नेतृत्व का हाथ है। अहमद ने कहा, ष्मेरी राय गलत हो सकती है, लेकिन मुझे बोलने का पूरा हक है।ष पिछले शनिवार को अहमद ने राहुल गांधी को असुरक्षित नेता कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल वरिष्ठ नेताओं के सामने असहज महसूस करते हैं और सिर्फ अपनी तारीफ करने वाले युवाओं को बढ़ाते हैं। अहमद ने यह भी कहा था कि राहुल गांधी के इसी रवैये के कारण वे अपने परिवार की पारंपरिक सीट अमेठी भी हार गए थे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली की अदालत ने पुलिसकर्मी पर गोली चलाने के प्रयास से जुड़े मामले में एक व्यक्ति को बरी किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में द्वारका में रात के समय जांच अभियान के दौरान एक पुलिसकर्मी को लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मारने की कोशिश करने के आरोप से एक व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। निर्वहन में विघ्न डालना), 353 (लोकसेवकों को डराने–धमकाने या हमला करने के लिए बल प्रयोग), 324 (खतरनाक हथियारों या साधनों से चोट पहुंचाना) और 307 (हत्या का प्रयास) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 27 (हथियारों और गोला–बारूद का अवैध उपयोग) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 (नशे की हालत में वाहन चलाना) के तहत आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन के सबूतों में गंभीर कमियां पाईं। मामला 31 अक्टूबर, 2018 को एक घटना से जुड़ा था, जब पुलिस अधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुमार नामक व्यक्ति ने नशे की हालत में द्वारका के सेक्टर 21 अंडरपास के पास एक पिकेट पर पुलिसकर्मियों से बदतमीजी की, एक कांस्टेबल के अंगूठे को चोट पहुंचाई और फिर सहायक उप–निरीक्षक की ओर पिस्तौल तान दिया, हालांकि गोली नहीं चलाई। अदालत ने 15 जनवरी के निर्णय में कहा, "अभियोजन पक्ष का यह कानूनी दायित्व है कि वह प्रत्येक अपराध को संदेह से परे साबित करे।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर पर पाक प्रोपेगेंडा की निकाली हवा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच तीखी कूटनीतिक बहस देखने को मिली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून और शासन पर आयोजित एक बहस के दौरान पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठ और उसके द्वारा प्रायोजित आतंकवाद पर जोरदार पलटवार किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तान के दूत असीम इफ्तिखार अहमद के बयानों का करारा जवाब दिया। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अपनी बात रखते हुए ऑपरेशन सिंदूर, जम्मू–कश्मीर का मुद्दा और सिंधु जल संधि का जिक्र किया था। राजदूत हरीश ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए पाकिस्तान को आईना दिखाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अपनी घरेलू विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के मनगढ़ंत और झूठे नैरेटिव का सहारा ले रहा है। हरीश ने कहा कि पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में ष्एक झूठा और स्वार्थी बयान दिया हैष। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह ऑपरेशन अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले का सीधा जवाब था जिसमें 26 नागरिकों की मौत हो गई थी। उन्होंने परिषद को याद दिलाया कि ने खुद हमले के अपराधियों, आयोजकों, फाइनेंसरों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया था।

समस्त देश वासियों एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. सतेन्द्र कुमार पाण्डे
सहायक अभियंता यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

संतोष कुमार पाडेय
उप निबंधक सदर, जौनपुर

समस्त देश वासियों एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. मनोज कुमार भारतीय
सहायक अभियंता यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. पुनवासी राम
सहायक अभियंता यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

समस्त देश वासियों एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को 77 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इंजी. अमित कुमार तिवारी
सहायक अभियंता यांत्रिक
सिंचाई विभाग जौनपुर

संपादकीय

गण का हो तंत्र

ऐसे वक्त में जब हम 77वां गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मना रहे हैं, सत्ताधीशों के साथ–साथ देश के नागरिकों के लिए भी यह आत्ममंथन का समय है। निर्विवाद रूप से, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रतिष्ठा हमारी संवैधानिक संस्थाओं की जनपक्षधरता और जवाबदेही से सुनिश्चित होती है। लेकिन जरूरत इस बात की है कि हमारे जनतंत्र पर तंत्र हावी न हो। नागरिकों का जीवन सुगम हो और सत्ता व प्रशासन तक उनकी पहुंच सहज हो। वहीं, नागरिकों को भी संवैधानिक संस्थाओं की कार्यशैली और जवाबदेही पर सचेतक निगाह रखनी चाहिए। देश का स्वतंत्र मीडिया जनहितों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कहा कि समाज में असीम शक्ति होती है। समाज का सक्रिय समर्थन किसी योजना और नीति को बदलाव के आंदोलन में बदल देता है। देश में डिजिटल पेमेंट में जनभागीदारी का उदाहरण देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी दुनिया के आधे डिजिटल पेमेंट भारत में होते हैं। निःसंदेह, देश में लोकतंत्र की समृद्ध परंपराओं को जनभागीदारी से ही अक्षुण्ण रखा जा सकता है। देश ने कल राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया। हमारे लोकतंत्र को सशक्त और पारदर्शी बनाने में हमारे वयस्क मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र में हावी होते धनाढ्य लोग, बाहुबलियों और दागी उम्मीदवार तभी दरकिनार हो सकते हैं, जब मतदाता विवेकपूर्ण मतदान के जरिए समाज के जागरूक, ईमानदार और आम उम्मीदवारों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं के लिए चुनेंगे। हाल के वर्षों में देश के लोकतंत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। उनका मतदान प्रतिशत भी बढ़ा है। बल्कि, उन्होंने कई राज्यों में सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेत–खलिहान से अंतरिक्ष तक और सेना से लेकर अंतर्राष्ट्रीय खेलों में विशिष्ट पहचान बनाने वाली महिलाओं को और सशक्त बनाया जाए। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को हमारी सरकारों को प्राथमिकता की सूची में शामिल करना होगा। बड़े पैमाने पर जनधन खाते खुलने, आवास योजनाओं में संपत्ति का अधिकार मिलने और स्वयं सहायता समूहों में भागीदारी से देश की करोड़ों महिलाएं सशक्त बनी हैं। वहीं, हमारा सौभाग्य है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। आज जरूरत इस बात की है कि युवा आबादी को पर्याप्त और समय पर रोजगार मिले। कौशल विकास योजनाओं से उन्हें स्वावलंबी बनाने का मार्ग सुनिश्चित किया जाए। यदि हम हर युवा को रोजगार देना सुनिश्चित कर सकें, तो हम विकसित भारत के लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर सकते हैं। हमें दुनिया के तमाम देशों में रोजगार की तलाश में भटक रहे युवाओं को देश में ही सम्मानजनक रोजगार देने का प्रयास करना चाहिए।वहीं दूसरी ओर, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले किसानों को फसलों का न्यायसंगत दाम देने के प्रयास तेज करने होंगे। सस्ते ब्याज वाले ऋण, बीज और खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करके हम उनकी राह आसान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना से किसानों को राहत जरूर मिली है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है।

क्रिकेट को रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलाने दें

गोपाल

आज भारत और बांग्लादेश का युवा कहीं अधिक आकांक्षी और महत्वाकांक्षी हैं। इसीलिए क्रिकेट नई शुरुआत करने का एक माध्यम बन सकता है। दोनों पक्षों के बीच तनाव को खत्म कर सकता है। भारत–बांग्लादेश संबंधों के मौजूदा संकट में रोचक पहलू यह कि समाध ान हेतु उपयुक्त तमाम घटक उसमें

ही मौजूद हैं। भारत के लिए अवसर है कि नकारात्मक सोच वाले उन सभी विरोधियों की बाजी पलट दें जो 1971 के बाद से दो मुल्कों के बीच बेहद खास रिश्तों का पराभव चाहते हैं। समाधान हेतु मुद्दों की सूची में शीर्ष पर क्रिकेट संकट है, जो एक पखवाड़े पहले हिंदू संगठनों द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग में बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान के खेलने पर रोक लगाने की मांग से पैदा हुई। बीसीसीआई इस मांग पर झुक गई और युवा मुस्तफिजुर को हटाया गया। इससे क्रोधित हुए बांग्लादेशियों का गुस्सा थम नहीं रहा है। उन्होंने टी–20 विश्व कप में भारत के साथ मैच खेलने से इनकार कर दिया है, जिसमें कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डंस स्टेडियम में होने वाला मैच भी एक है। उनकी मांग थी कि उनसे संबंधित क्रिकेट मैच, ठीक पाकिस्तान की तरह, तटस्थ देश श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए। फिर, यहां एक विचार है। संभवतः बांग्लादेश संबंधित मैचों को दक्षिण भारत में स्थानांतरित कर दिया जाता, जहां पर बंगाली दर्शक कम होते हैं। संभव है उन्हें अमिताव घोष द्वारा पिछले दशकों में, बहुत डूबकर लिखे तीन नॉवेल (द शैडो लाइन्स, द हंग्री टाइड, गन आइलैंड) के झकझोर देने वाले विषय–वस्तु का इतनी गहराई से अहसास न हो। अब शीर्ष भाजपा नेतृत्व के लिए समय आ गया है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से राब्ता बनाएं –और बीएनपी भी यही करेदृ हालांकि बीएनपी प्रमुख, तारिक रहमान, इन दिनों 12 फरवरी को होने वाले चुनावों की तैयारी के लिए रैलियों–बैठकों के साथ देश का तूफानी दौरा कर रहे हैं। आखिरकार, यदि आरएसएस चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से बात कर सकती है, तो शेष कुछ भी संभव है। यह विचार दोनों पक्षों के लिए है कि अपना चेहरा बचाएं, ठंडे दिमाग वालों को वार्ता करने दें ताकि गर्म दल वाले अवसर हथिया न सकें। हमारे द्विपक्षीय इतिहास में इससे भी बदतर घटित हुआ है। वास्तव में, 1971 में बना उत्साह लंबे समय तक टिका नहींय चार साल से भी कम अवधि में, 15 अगस्त, 1975 को, बांग्लादेशी फिर से बांग्लादेशियों का कत्ल कर रहे थे। वर्तमान में लौटते हुए। आज की कहानी अब मुस्तफिजुर रहमान और यहां तक कि उन शेख हसीना के बारे में और अधिक नहीं रही, जिन्होंने द प्रिंट को दिए अपने साक्षात्कार में आगामी बांग्लादेशी चुनावों में आवामी लीग पर प्रतिबंध ा लगाने को 'बदलाव का रूप धरा अधिनायकवाद' बताया है। यह तथ्य कि उन्होंने दिल्ली स्थित विदेशी संवाददाता क्लब को एक वॉयस मैसेज जारी किया है, उसमें भी मूल रूप से वही संदेश था। (ऐसा कहा जा रहा है कि उनका क्लब में खुद मौजूद न रहना या वीडियो संदेश जारी न करना, उनसे बनी सहमति का एक हिस्सा है)। निस्संदेह, भारत–बांग्लादेश के बीच संबंध –अगस्त 2024 में हसीना के तख्ता पलट और हाल ही में बांग्लादेश में निर्दोष हिंदुओं की प्रतिशोध की भावना से की गई हत्याओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं– क्षति नियंत्रण तुरंत शुरू न करना बहुत नुकसानदायक होगा। एक शुरुआत हो चुकी है, खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत की ओर से अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका गए थे। पिछले नवंबर में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान भारत में अपने समकक्ष अजीत डोभाल से मिलने दिल्ली आए थे। दोनों तरफ दांव बहुत बड़ा लगा है। भारत को न केवल विभिन्न जनजातियों, ध र्मों, कुलों और राजनीतिक दलों के मिश्रण वाले संवेदनशील उत्तर–पूर्व अंचल की सुरक्षा के लिए बल्कि पूर्वी दिशा के मुल्कों के साथ रिश्तों में हो रहे तेजी से बदलाव के बीच बांग्लादेश के साथ की जरूरत है। सिर्फ इसलिए नहीं कि अगले कुछ महीनों में पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों की सीमा बांग्लादेश से लगती है। कई लोग हसीना के अहंकार–कुशासन का हवाला देते हुए कहते कि उन्हें इसलिए उखाड़ फेंका गया। यह भी उतना ही सच है कि भारत ने बहुत कुछ नजरअंदाज किया, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि शेख हसीना और बीएनपी का आपस में हमेशा बैर रहा है। बीएनपी ने दो बार राष्ट्रीय चुनाव का बहिष्कार किया, जिससे घरेलू राजनीतिक कलह बढ़ गई। लेकिन सरकार चाहे कांग्रेस की हो या बीजेपी की, शेख हसीना भारत की पसंदीदा क्यों बनी रहीं, इसका कारण यह है कि वे वास्तव में धर्मनिरपेक्ष रहीं। वे हिंदू अल्पसंख्यकों को सुरक्षित रखने को महत्वपूर्ण समझती थीं, खुली वार्ता के अलावा सीमापारीय व्यापार के पक्ष में थीं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पाकिस्तान की आईएसआई के नेतृत्व वाले घातक लोगों को घुसने नहीं दिया। वे बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में किस कदर नुकसान पहुंचा सकते थे कि उसके सामने धुरंधर फिल्म में दिखाया गया कथानक दार्जिलिंग चाय और वॉटरक्रेस सैंडविच परोसने वाली किटी पार्टी की तरह लगता। उस विशाल हथियार जखीरे को कौन भूल सकता है जो संयोगवश तब मिला था जब तारिक की मां, दिवंगत खालिदा जिया प्रधानमंत्री थीं और जिसका उद्देश्य भारत के सात उत्तर–पूर्वी राज्यों में समस्या पैदा करना था? आज की तारीख में शेख हसीना दिल्ली में हैं और भारत उन्हें कभी नहीं सौंपेगा दृ इतनी बात बांग्लादेश को समझनी होगी। बल्कि सराहना भी करनी होगी कि भारत अपने मित्रों का साथ नहीं छोड़ता, चाहे दांव पर कुछ भी क्यों न हो। चाहे न्यायाधि ाकरण उन्हें सौंपने करने की मांग 'मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी' ठहराकर करें। सबसे महत्वपूर्ण, दोनों देशों के कुलीन वर्ग को यह अहसास होना चाहिए कि आज का भारत और बांग्लादेश कहीं अधिक युवा, कहीं अधिक आकांक्षी और महत्वाकांक्षी हैं। करीब 63 प्रतिशत बांग्लादेशी और 52 प्रतिशत भारतीय 30 वर्ष से कम उम्र के हैं। वे अतीत का कटु बोझ ढोना पसंद नहीं करेंगे। जब बांग्लादेश आजाद हुआ था, उस वक्त तो वे पैदा भी नहीं हुए थे। वे जीवन में आगे बढ़ना और तरक्की करना चाहेंगे दृ न कि माथापच्ची में उलझे रहना। तो फिर, आगे का रास्ता यह है कि हसीना के मामले को इतर रखा जाए। भारत में उनकी मौजूदगी से द्विपक्षीय संबंधों को दूषित न होने दिया जाए।

भावनाओं के नियमन से उजाले की पगडंडी

विकास

जीवन की सार्थकता भावनाओं से पलायन करने में नहीं, बल्कि उन्हें उस राह में रूपांतरित करने में है, जो अंतर्मन के अंधेरे से निकलकर शाश्वत प्रकाश की ओर जाती हो। पहाड़ों या घने जंगलों में लोगों के सतत आवागमन से कुछ रास्ते स्वतः ही बन जाते हैं। इन्हें हम पगडंडी कहते हैं। इनमें कुछ पगडंडियां सुगम होती हैं, जिन पर चलना आसान होता है। वहीं कुछ इतनी संकरी और उबड़खाबड़ होती हैं कि उन पर चलना एक चुनौती बन जाता है। कुछ पगडंडियां हमें हमारे गंतव्य स्थल तक पहुंचाती हैं तो कुछ भटकाव की भूल–भुलैया में छोड़ देती हैं। दरअसल, मानवीय भावनाओं का संसार भी कुछ ऐसी ही पगडंडियों से बना होता है। प्रसन्नता की पगडंडी हमें खिले हुए फूलों जैसी दुनिया में ले जाती है, जहां सौंदर्य के रिश्तों की अनूठी छटा बिखरी होती है। वहीं दुख की राह किसी घने अंध ेरे जंगल में ले जाती है, जहां केवल निराशा और हताशा का वास होता है। भय की राहों पर आशंकाओं के कांटे बिछे होते हैं, तो क्रोध की राह अंगारों से दहक रही होती है। यहां प्रश्न उठता है कि आखिर भावनाओं की इन पगडंडियों का उद्गम स्थल कहां है? कहां से यह कारवां शुरू होता है? आधुनिक विज्ञान मानता है कि भावनाओं का जन्म हमारे मस्तिष्क में होता है। मस्तिष्क में स्थित 'लिम्बिक सिस्टम' भावना का केंद्र होता है। इसमें विशेष रूप से अमिगडाला की भूमिका प्रमुख होती है, जो भय, क्रोध और आनंद जैसी तत्काल भावनाओं को जन्म देता है। साथ ही डोपामिन, सेरोटोनिन और ऑक्सिटोसिन जैसे रसायनों से भावनाओं का निर्धारण करता है। मनोविज्ञान इस विमर्श को थोड़ा सूक्ष्म रूप में परिभाषित करता है। इसके अनुसार भावनाएं हमारे विचारों से जन्म लेती हैं। अवचेतन मन में दबी हुई इच्छाएं, पुरानी यादें और गहरे संस्कार सुप्त अवस्था में रहते हैं, जो अचानक किसी उत्प्रेरक के मिलने पर भावना के रूप में फूट पड़ते हैं। कई बार किसी घटना के प्रति हमारा नजरिया भी भावनाओं को जन्म देता है। भारतीय दर्शन और अध्यात्म इसे और गहराई से देखता है। हमारे ऋषि–मुनियों ने कहा है कि भावनाओं का असली घर हमारा चित्त है, जो एक गहरे सरोवर की तरह है। इस सरोवर की तलहटी में हमारे पुराने संस्कार और वृत्तियां जमा रहती हैं। जैसे शांत सरोवर में कंकड़ फेंकने से लहरें उठती हैं, वैसे ही संस्कारों के इस मानस सरोवर में जब बाहरी दुनिया का कोई विषय स्पर्श करता है, तो जो कंपन होता है, वही भावनाएं हैं और यहीं से जन्म होता है –भावनाओं की पगडंडी का। भावनाओं की पगडंडी के निर्माण के संदर्भ में श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 2 के श्लोक 62 में भी एक श्लोक मिलता हैकृ 'पहले मन में किसी विषय का चिंतन होता है, चिंतन से उस विषय में आसक्ति पैदा होती है। आसक्ति से कामना जन्म लेती है और जब कामना पूरी नहीं होती या उसमें बाधा पड़ती है, तो क्रोध जन्म लेता है। और इस तरह क्रोध की भावना की पगडंडी का निर्माण होता है।' दरअसल, इन पगडंडियों पर चलते हुए अक्सर हम दिशा–भ्रमित हो जाते हैं। भावनाओं की जटिलता से निपटने के लिए अक्सर हमारी सहज प्रतिक्रिया उनके 'दमन' की हो जाती है। बचपन से ही हमें 'क्रोध न करने' या 'आंसू रोकने' का प्रशिक्षण दिया जाता है। हम समझते हैं कि भावनाओं का दमन कर देने से हम संयमित कहलाएंगे। जबकि सच्चाई यह है कि भावनाओं का जबरन दमन, बहते पानी पर कच्चा बांध बनाने जैसा है, जिसमें पानी क्षणिक रूप से रुक सकता है, परंतु उसका बढ़ता दबाव अंततः किसी घातक मानसिक विस्फोट का कारण बनता है। तो फिर अप्रिय भावनाओं से निपटने का समाधान अगर दमन नहीं है ।

.... विविध/स्वास्थ्य ....

माउंट आबू : जहां की हवाओं में भी तैरता रहता है रोमांस

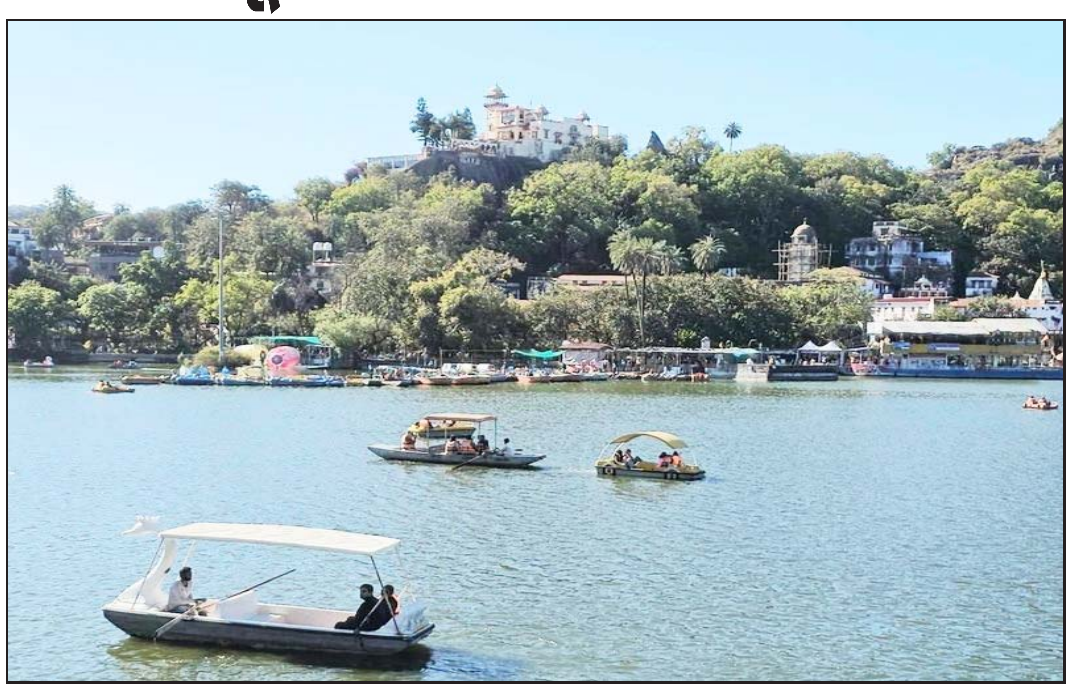

अरावली पर्वतमाला की गोद में बसा माउंट आबू राजस्थान का इकलौता हिल स्टेशन है। ठंडी हवाएं, हरियाली, नक्की झील और मनोरम पहाड़ियां इसे गर्मियों में सुकून का ठिकाना बनाती हैं। पौराणिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांटिक माहौल के कारण यह पर्यटकों और हनीमून कपल्स की पहली पसंद बना हुआ है। आमिर खान स्टारर सुपरहिट फिल्म 'कयामत से कयामत तक' देखी है न? फिल्म में माउंट आबू के चप्पे–चप्पे की खूबसूरती को बारीकी से पेश किया गया था। माउंट आबू इस लिहाज से बेमिसाल है कि यह राजस्थान का इकलौता ठिकाना है, जहां गर्मियों और सर्दियों में बराबर सुहानी हवाएं चलती हैं, जिससे यह साल–भर घूमने लायक बना रहता है। माउंट आबू तमाम हिल स्टेशनों से भी जरा हटकर है, क्योंकि यहां ढलाननुमा छतों वाले घर नहीं हैं। गर्मियों में जब समूचा राजस्थान तपता है, तब यही पहाड़ियां ठंडक के झोंकों का अहसास कराती हैं। पौराणिक कथाओं के मुताबिक, यहीं गुरु वशिष्ठ ने राजपूतों के चार अग्निकुल वंश स्थापित किए थे। इनसे पहले सूर्यवंशी और चंद्रवंशी नाम के दो ही प्रमुख कुल थे। अग्निकुल के राजपूतों ने ही माउंट आबू को गर्मियां बिताने का अपना सैरगाह बनाया। पीछे–पीछे खास और आम सभी लोग माउंट आबू का रुख करने लगे। धीरे–धीरे यह शहरियों का आराम का ठिकाना बनकर उभरा। हवाओं में रोमांस तैरता है, इसलिए कई हनीमून युगल भी यहां आना पसंद करते हैं। और फिर, माउंट आबू के दिल में बसी झील क्या शानदार है। अरावली पहाड़ों पर इधर–उधर कई एकांत स्थल हैं, जहां डूबते सूरज का नजारा देखते–देखते हाथ में हाथ थामे घंटों टहला जा सकता है।

नक्की लेक का नजारा

झील कहलाती है नक्की लेक। माउंट आबू नक्की लेक के इर्द–गिर्द ही बसा है। झील का नामकरण प्राचीन कथा–कहानियों के आधार पर हुआ है। पुराणों में उल्लेख है कि देवताओं ने इस झील को अपने नाखूनों से खोदा था। तभी से इसका नाम पड़ गया नक्की झील। झील में बोटिंग के अलावा आसपास रॉक क्लाइंबिंग का भी अच्छा–खासा इंतजाम है। हालांकि, नक्की लेक पर बोटिंग माउंट आबू के सबसे बड़े आकर्षणों में शुमार है। खासतौर से गर्मियों में नक्की झील के इर्द–गिर्द टहलना खासा सुकून भरा अनुभव है। यूं भी, झील वाले अन्य हिल स्टेशनों के मुकाबले यहां भीड़ काफी कम रहती है, इसलिए यह और बेहतर लगता है।

नक्की लेक पर बोटिंग करने का बेहतरीन समय सुबह–सवेरे ही है। सुबह झील की अदा देखते ही बनती है। ढलते सूरज की लालिमा भरी किरणों के बीच बोटिंग जरा कम आनंददायक हो जाती है, क्योंकि तब ज्यादातर पर्यटक उमड़ पड़ते हैं। किश्तियां भी कैसी–कैसी हैंकृमोटर बोट हैं, पैडल बोट भी हैं। यही नहीं, हंस की शक्ल की बोट तो बेहद आकर्षक हैं। यादगार फोटो खींचने के लिए यहां क्या–क्या नजारे हैं। बोटिंग करते–करते टॉड रॉक की तरफ, जंगल के नजदीक, परिंदों का कलरव तन–मन को उत्साह से लबरेज कर देता है।

हनीमून प्वाइंट और...

माउंट आबू के बड़े आकर्षणों में एक और हैकृसनसेट प्वाइंट। यहीं किडीज एम्यूजमेंट पार्क भी है, जो खासतौर से बच्चों की दुनिया है। बच्चे साथ हों, तो सनसेट प्वाइंट का रुख कीजिए। अगर विवाह के बाद फैमिली लाइफ शुरू करने वाले हैं, तो हनीमून प्वाइंट भी यहीं है। उधर गुरु शिखर पर चढ़ना भी कम रोमांचक नहीं है। उल्लेखनीय है कि गुरु शिखर अरावली पहाड़ों की सबसे ऊंची चोटी है। यहां से दूर–दूर तक फैले मैदानों, चट्टानों और पहाड़ों को निहारना बेहद मजेदार है। गुरु शिखर पर ही शिवजी का मंदिर भी है। इधर–उधर फैले बीहड़ जंगल वाइल्ड लाइफ के लिए मशहूर हैं, इसलिए अंधेरा ढलने के बाद यहां टहलना खतरे से खाली नहीं बताया जाता। घूमने–फिरने और देखने लायक एक और जगह हैकृवाइल्ड लाइफ सेंचुरी। यह 288 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैली है और माउंट आबू से ज्यादा दूर नहीं, महज 8 किलोमीटर पर है। परिंदों की निराली दुनिया भी यहां बुलाती–सी लगती है। ढाई सौ से ज्यादा पक्षी हर सुबह यहां–वहां उड़ते दिखाई देते हैं और उनका कर्णप्रिय गान कानों में मधुरता घोलता रहता है। तेंदुआ और चिंकारा जरा रेअर हैं, पर कभी–कभार दिख जाते हैं। हालांकि जंगलों में लंगूर कूदते–फांदते हरदम दिखाई देते हैं। नजदीक ही ब्रिटिश कर्नल ट्रेवर की याद में बना 'ट्रेवर टैंक' है। अगर सही वक्त पर यहां आएं, तो ट्रेवर टैंक या ताल में पानी पीते जानवर और पक्षी भी खूब नजर आते हैं। कबूतर, तीतर वगैरह भी आसपास होते हैं। जंगली भालू भी जरा–जरा दूरी पर दिख ही जाते हैं। पहाड़ों के बीच ताल के इर्द–गिर्द घने जंगल के साए में राष्ट्रीय पक्षी मोर की विविध ा अदाओं को करीब से देखना मन मोह लेता है।

धर्मस्थल भी खास

माउंट आबू धर्मस्थलों का घर भी है। सबसे भव्य और खास है दिलवाड़ा जैन मंदिर। नक्काशीदार संगमरमर से बने इस मंदिर के कोने–कोने की खूबसूरती बेमिसाल है। रास्ते में 'दातदा सी वर्ल्ड' है, जहां खासे लंबे–चौड़े एक्वेरियम देखने का मौका मिलता है।

हेल्दी समझकर ज्यादा न खाएं ये 9 फल, अचानक बढ़ा सकते हैं आपका ब्लड शुगर

फल आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद और हेल्दी माने जाते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर फल ब्लड शुगर के लिए सुरक्षित हो। कुछ फल ऐसे होते हैं जिनमें प्राकृतिक शुगर और ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज्यादा होता है, जिससे खून में शुगर तेजी से बढ़ सकती है। खासकर डायबिटीज से जूझ रहे लोगों या जो अपना शुगर लेवल कंट्रोल में रखना चाहते हैं, उन्हें इन फलों का चुनाव और मात्रा दोनों समझदारी से तय करनी चाहिए। आइए जानते हैं उन 9 फलों के बारे में, जिनसे सावधानी बरतना जरूरी है।

केला

वर्कआउट से पहले केला खाना आम है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है। एक मीडियम केले में लगभग 14 ग्राम शुगर होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (ळप्) मध यम से उच्च होता है। अगर केला ज्यादा पका हो तो यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है, इसलिए डायबिटीज या शुगर कंट्रोल करने वाले लोगों को इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

अंगूर

छोटे और रसीले अंगूर देखने में तो ंितउसमे लगते हैं, लेकिन इनकी शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। एक कप अंगूर में लगभग 23 ग्राम शुगर होती है और फाइबर कम होने के कारण शुगर तेजी से खून में पहुंचती है। इसलिए, डायबिटीज या शुगर कंट्रोल करने वाले लोगों के लिए सीमित मात्रा में ही अंगूर खाना बेहतर माना जाता है।

आम

आम स्वाद में जितना शानदार होता है, शुगर में उतना ही भारी होता है। एक कप कटे हुए आम में लगभग 23 ग्राम शुगर होती है। इसमें विटामिन सी जरूर मिलता है, लेकिन अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है, इसलिए डायबिटीज या शुगर कंट्रोल वाले लोगों के लिए सीमित सेवन ही सुरक्षित है।

अनानास

अनानास, चाहे ताजा हो या डिब्बाबंद, शुगर तेजी से रिलीज करता है। एक कप अनानास में लगभग 16 ग्राम शुगर होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है। पाचन के लिए यह फायदेमंद है, लेकिन मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है, खासकर उन लोगों के लिए जो ब्लड शुगर नियंत्रित रखना चाहते हैं।

चेरी

चेरी दिखने में हल्का फल लगती है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। एक कप चेरी में लगभग 18 ग्राम शुगर होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद हैं, लेकिन ओवरईटिंग करना आसान होता है। इसलिए, ब्लड शुगर नियंत्रित रखने वाले लोगों के लिए सीमित सेवन ही सुरक्षित माना जाता है।

तरबूज

तरबूज पानी से भरपूर और कम कैलोरी वाला फल माना जाता है, लेकिन इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी ज्यादा होता है। एक कप तरबूज में शुगर की मात्रा भले ही कम नजर आती हो, लेकिन इसका असर ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाने वाला हो सकता है। खासकर डायबिटीज के मरीजों को इसे खाते समय मात्रा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

अंजीर

अंजीर को पुराने समय से बेहद पौष्टिक फल माना जाता है, लेकिन इसमें नेचुरल शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। एक मीडियम अंजीर में करीब 8 ग्राम शुगर पाई जाती है, जबकि सूखे अंजीर में यह मात्रा और भी अधिक हो जाती है। इसलिए ब्लड शुगर कंट्रोल रखने वालों के लिए अंजीर का सीमित मात्रा में सेवन ही सुरक्षित माना जाता है।

खजूर

खजूर को आमतौर पर एनर्जी बूस्टर माना जाता है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है। एक मेडजूल खजूर में करीब 16 ग्राम शुगर पाई जाती है। हालांकि इसमें फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन के लिए अच्छा है, लेकिन डायबिटीज या ब्लड शुगर कंट्रोल करने वालों को खजूर का सेवन बेहद सावधानी और सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, वरना शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है।

लीची

लीची स्वाद में भले ही कैंडी जैसी मीठी और हल्की लगती हो, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। सिर्फ 10 लीची में करीब 29 ग्राम शुगर पाई जाती है। साथ ही इसमें फाइबर कम होता है, जिस वजह से शुगर तेजी से खून में पहुंचती है और ब्लड शुगर अचानक बढ़ सकता है, इसलिए इसे भी सीमित मात्रा में ही खाना समझदारी है।

ब्लड शुगर नियंत्रण के लिए टिप्स

इन फलों का सीमित मात्रा में सेवन करें

शुगर कंट्रोल वाले लोग फल खाने के समय प्रोफेशनल सलाह लें

संतुलित आहार और फाइबरयुक्त फलों को प्राथमिकता दें

फलों के साथ प्रोटीन या नट्स मिलाकर खाने से ब्लड शुगर बढ़ने की रफ्तार कम होती है।

फल हेल्दी होते हैं, लेकिन शुगर की मात्रा और को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए स्मार्ट फलों का चुनाव और सीमित मात्रा ही सेहत की कुंजी है।

राजकीय सम्मान के साथ पूर्व भारतीय नौसेना आफिसर रमेश चंद्र यादव का अंतिम संस्कार किया गया

मड़ियाहूं जौनपुर मछली शहर विधानसभा निवासी जगदीश चन्द्र यादव(इंस्पेक्टर) के बड़े भाई रमेश चंद्र यादव भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्ति चीफ पेटी ऑफिसर और प्रखर जन सेवक रमेश चंद्र यादव की निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई 66 वर्षीय यादव का 20 जनवरी 2026 की शाम वाराणसी के एपेक्स अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव पल्टूपुर पहुंचते ही अंतिम दर्शन के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा सैन्य और राजनीतिक उपलब्धियां रमेश चंद्र यादव ने न केवल भारतीय नौसेना में देश की सेवा की बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद जन

सेवा को अपना लक्ष्य बनाया वे वार्ड संख्या 51 से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए थे। समाजवादी पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहकर क्षेत्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। गणमान्यों ने पुष्पांजलि अर्पित की, उनके पार्थिव शरीर पर सपा जिला अध्यक्ष राकेश कुमार मौर्य ने पार्टी का झंडा लपेटकर उन्हें अंतिम विदाई दी श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से शामिल रहे राजबहादुर यादव (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष) प्रभावती पाल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व पूर्व एमएलसी बीएसपी एवं श्रद्धा यादव पूर्व विधायक मडियाहू प्रबंधक जनता जनार्दन इंटर कॉलेज मेहंदी साहब लाल यादव समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष मिर्जापुर आशीष यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख रामनगर कैलाश नाथ यादव वर्तमान ब्लाक प्रमुख बरसठी श्री पंकज शुक्ला वरिष्ठ समाजवादी पार्टी नेता श्री लोरीक यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश यादव लोहिया ,पूर्व ब्लाक प्रमुख मडियाहू, लाल प्रताप यादव, अच्छे लाल यादव प्रधानाध्यापक, महेंद्र प्रताप यादवअध्यापक, लाल चंद्र यादव एडवोकेट,कैलाश सोनकर पूर्व विधायक व वर्तमान विधायक मछली शहर रागिनी सोनकर के पिता जी,श्री अभिमन्यु यादव (पूर्व ब्लाक प्रमुख मडियाहू), श्यामजी यादव ग्राम प्रधान पहसना, सपा महासचिव राजदेव पाल, लालचंद पाल (पूर्व सचिव भदोही) SI प्रदीप यादव और रूपचंद यादव तथा इस अवसर पर भारी संख्या में वरिष्ठ नगरीकरण एवं क्षेत्र के सम्मानित लोग उपस्थित होकर श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित हुए कई ग्राम प्रधान व स्थानीय प्रतिनिधि गॉड ऑफ ऑनर के साथ विदाई वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर सेवा की 39वीं ळज्ञ की टुकड़ी द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर सलामी दी गई इस भाव क्षण में 39 में ळज्ञ के कमांडेंट ब्रिगेडियर जगदीप चंद्र ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा उनके पुत्र रंजीत यादव को सम्मान सौंप कर उनके योगदान को याद किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अंबेडकर महासभा श्री मिठाई लाल भारती का आगमन रमेश चंद्र यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य के पैतृक गांव पल्टूपुर में दिनांक 29 जनवरी 2026 को समय 12:00 बजे दिन में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आ रहे हैं।

जमीन के विवाद में घर में घुसकर फायरिंग

गोरखपुर, संवाददाता। झंगहा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़की दुबौली में शुक्रवार की सुबह नौ बजे बदमाशों ने घर में घुसकर फायरिंग कर दी। इसमें दो युवक घायल हो गए। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मृतक की पहचान पंकज निषाद (35) के रूप में हुई। उसके भाई रामनाथ के सिर में गंभीर चोट आई है। पंकज के पेट में गोली लगी थी, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद से आरोपी घर से भाग गए हैं। सीओ चौरीचौरा और झंगहा पुलिस मौके पर जांच कर रही है। गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, पंकज और उसके पटीदार में जमीन को लेकर पिछले दो साल से विवाद चल रहा है। घर के पास चहारदीवारी को लेकर भी कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। रविवार सुबह वारदात के वक्त पंकज और रामनाथ ही घर में थे। आरोपियों ने घर में घुसते ही उनपर हमला कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

यूजीसी की नीतियों के विरोध में पत्रकारों ने प्रदर्शन कर एसडीएम के माध्यम से सौंपा ज्ञापन

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या ।देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नीतियों एवं प्रस्तावों के विरोध में मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंगठन, अयोध्या के तत्वावधान में पत्रकारों ने तहसील परिसर मिल्कीपुर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर सुधीर कुमार को सौंपा ।ज्ञापन में यूजीसी द्वारा लागू एवं प्रस्तावित नीतियों को शिक्षा की स्वायत्तता, गुणवत्ता और समान अवसरों के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इन पर तत्काल पुनर्विचार की मांग की गई है ।इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष बलराम तिवारी ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है। यदि उच्च शिक्षा को प्रयोगों का मैदान बनाया गया तो इसका दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा ।यूजीसी की वर्तमान नीतियाँ छात्रों और शिक्षकों दोनों के भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकती हैं ।वरिष्ठ पत्रकार नरसिंह ने कहा कि शिक्षा का व्यवसायीकरण लोकतंत्र को कमजोर करता है। आज यदि हम नहीं बोले तो कल शिक्षा केवल संपन्न वर्ग तक सीमित रह जाएगी। संगठन के जिला महामंत्री रमा निवास पाण्डेय ने कहा कि बिना व्यापक संवाद के लिए गए फैसले अविश्वास को जन्म देते हैं। शिक्षा से जुड़े किसी भी निर्णय में शिक्षकों, छात्रों और विशेषज्ञों की भागीदारी अनिवार्य होनी चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार विजय पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि यूजीसी के वर्तमान निर्णयों से देशभर में असमंजस की स्थिति है। पारदर्शिता के अभाव में लागू नियम शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं ।मिल्कीपुर तहसील अध्यक्ष वेदप्रकाश तिवारी ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं। जब शिक्षा पर संकट आए तो पत्रकारों का मुखर होना ही लोकतंत्र की रक्षा है ।संगठन के मंडलीय पदाधिकारी पत्रकार दिनेश जायसवाल ने कहा कि इन नीतियों का सबसे अधिक असर ग्रामीण और साधनविहीन विद्यार्थियों पर पड़ेगा, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। वहीं देवराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा को लाभ का साधन नहीं बल्कि सेवा का क्षेत्र बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है ।ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग की गई कि यूजीसी की विवादित नीतियों पर रोक लगाते हुए व्यापक विमर्श के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाए, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, समानता और स्वायत्तता सुरक्षित रह सके ।यह ज्ञापन 27 जनवरी 2026 को मिल्कीपुर एसडीएम सुधीर कुमार को सौंपा गया। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि राष्ट्रपति देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने के नाते इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेंगे और राष्ट्रहित में उचित दिशा–निर्देश प्रदान करेंगे ।इस मौके पर वेद प्रकाश तिवारी, नरसिंह , विनय गुप्ता, देवराज मिश्र, राहुल पाण्डेय, सूरज कौशल, सत्यनारायण तिवारी, उमाशंकर तिवारी, सुनील तिवारी, राकेश मिश्रा, दिनेश जायसवाल, राजेश तिवारी, वेदप्रकाश मिश्र, शिव कुमार पाण्डेय, राहुल पाण्डेय, सर्वेश पाण्डेय, सुनील दुबे, अधिवक्ता अमित कुमार मिश्र सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में शिक्षा विरोधी निर्णयों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

तीन दिन बंधक बनाने के बाद स्पा सेंटर में बेचा

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र से 13 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर बंधक बनाकर दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि किशोरी को पहले गीडा इलाके के एक होटल में तीन दिन तक बंधक बनाया गया। इसके बाद बड़हलगंज के एक स्पा सेंटर में बेच दिया गया। आरोप है कि गोरखनाथ थाना पुलिस ने 20 जनवरी को किशोरी को नौसड़ के एक होटल से खोज निकाला लेकिन मामला दबाए बैठी रही। किशोरी की मां ने एसपी सिटी से शिकायत की तब पुलिस ने शनिवार को होटल के मालिक धीरेंद्र सिंह, मैनेजर आदर्श पांडेय और स्पा सेंटर के मैनेजर अंकित कुमार को गिरफ्तार किया। एक किशोर को भी पकड़ा गया है, जो किशोरी का प्रेमी बताया जा रहा है। वहीं दो अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है।

पांच जनवरी को रहस्यमय हालात में लापता हुई थी किशोरी

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि किशोरी का कोर्ट में बयान दर्ज होने के बाद दुष्कर्म और अन्य संबंधित धाराओं में मामला बढ़ाया जाएगा। पांच जनवरी को किशोरी रहस्यमय हालात में लापता हो गई थी।

किशोरी को पहले गीडा के एक होटल में बंधक बनाया

परिजन जब गोरखनाथ थाने पहुंचे तो पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी रही, लेकिन उसका पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक, किशोरी को पहले गीडा के एक होटल में बंधक बनाया गया, जहां तीन दिन तक उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

किशोरी का आरोप है कि उसकी हालत बिगड़ने पर आरोपी उसे दवा भी खिलाते रहे। इसके बाद उसे बड़हलगंज के स्पा सेंटर में बेच दिया गया, जहां करीब एक सप्ताह तक रखा गया। तबीयत खराब होने पर आरोपी उसे फिर अन्य होटलों में छिपाकर रखने लगे।

उधर, किशोरी की मां ने एसपी सिटी से मिलकर शिकायत की तो उन्होंने जांच कराई। इसके बाद मामला परत दर परत खुलता गया। इसके बाद मामले में कार्रवाई की गई। लापता किशोरी को खोज लिया गया है। किशोरी से पूछताछ के आधार पर होटल मालिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दो अन्य आरोपियों की तलाश चल रही है।

53.68 करोड़ रुपये की लागत से 4.40 किलोमीटर लंबी बनेगी सड़क

गोरखपुर, संवाददाता। शहर की यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाने की दिशा में गोलघर की सड़कों को स्मार्ट बनाने का काम शुरू हो गया है। नगर निगम की ओर से चयनित ठेकेदार ने कचहरी चौक के पास नाले की खोदाई शुरू कर दी है। इस परियोजना के तहत गोलघर से जुड़ीं कुल पांच प्रमुख सड़कों को नवंबर 2026 तक स्मार्ट बनाया जाना है। सीएम ग्रिड फेज–दो के अंतर्गत 53.68 करोड़ रुपये की लागत से 4.40 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जाएगा। छात्रसंघ चौक से आंबेडकर चौक की दिशा में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जहां नाले के निर्माण के लिए खोदाई का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत बनने वाली सड़क की चौड़ाई 18 मीटर होगी और इसे एक वर्ष के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अनुसार, कचहरी चौराहा से काली मंदिर तक 0.78 किलोमीटर, शास्त्री चौक से आंबेडकर चौक होते हुए छात्रसंघ चौराहा तक, आंबेडकर चौक से हरिओम नगर तिराहा होते हुए ऐश्प्रा तिराहा तक, हरिओम नगर से कचहरी चौराहा होते हुए टाउनहॉल तक कुल 2.37 किलोमीटर और शिवाय होटल से अग्रसेन तिराहा होते हुए विजय चौक से गणेश चौक तक 1.25 किलोमीटर सड़क को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। निर्माण कार्य अधिशासी अभियंता अशोक भाटी और सहायक अभियंता शैलेष श्रीवास्तव की निगरानी में कराया जा रहा है। कार्यदायी संस्था जीएस कोटिंग और एके इंजीनियरिंग (जेपी) की ओर से सड़कों पर आधुनिक फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट, चौड़ा कैरिज–वे और एचडीपीई पाइप के माध्यम से केबल डक्ट का निर्माण किया जाएगा, जिससे भविष्य में बार–बार खोदाई की आवश्यकता न पड़े। मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने बताया कि सीएम ग्रिड के दूसरे चरण में चयनित सभी सड़कों पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। इस परियोजना के पूर्ण होने से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि शहर की सुंदरता और बुनियादी ढांचे में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

सीवर लाइन बिछाने के मार्ग में आ रही बाधा को दूर करने का निर्देश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को आयोजित संभव कार्यक्रम में कुल 19 प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 13 का महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने तुरंत समाधान कराया, जबकि छह प्रकरण गली एवं नाली निर्माण कार्य से जुड़े थे, जिसकी जांच कर स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। महापौर ने आने वाले समय में पेयजल की जरूरत को देखते हुए पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करके चिन्हित कमियों को दूर करने का निर्देश दिया ।उन्होंने इस दौरान सीवर लाइन बिछाने संबंधी विवाद सामने आने पर त्वरित समाधान कराने के लिए महाप्रबंधक जलकल को निर्देश दिया। महापौर ने मुख्य मार्गों से इतर कॉलोनी एवं गलियों में सफाई पर विशेष ध्यान देने, पेयजल संबंधी समस्या के त्वरित समाधान की हिदायत अधिकारियों को दी। इस मौके पर सड़क, नाली, गली के निर्माण, मार्ग प्रकाश व्यवस्था के पेयजल एवं सफाई को लेकर शिकायतें आईं, जिसका समयबद्ध समाधान कराने का भरोसा महापौर ने दिया ।नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने नामांतरण एवं जन्म–मृत्यु प्रमाणपत्र संबंधी प्रकरण की जांच कर जल्द से जल्द जारी करने समेत समस्याओं का समाधान कराया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि इस मौके पर अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार, महाप्रबंधक जलकल सौरभ श्रीवास्तव, निर्माण खंड के सहायक अभियंता भारत वर्मा आदि मौजूद थे।

सिराथू में ट्रैक्टर पलटने से दो मजदूरों की मौत

कौशांबी, संवाददाता। पंइसा थाना क्षेत्र के सिराथू धाता मार्ग पर अनेठा गांव मोड़ के समीप शनिवार की रात बांस लदा ट्रैक्टर पलटने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चालक सहित दो जख्मी हो गए। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी सिराथू में भर्ती कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलोंकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज मंझनपुर के लिए रेफर कर दिया है। फतेहपुर जनपद के धाता थाना का अंतर्गत जाम गांव निवासी अर्जुन (35) पुत्र सुखराम व कोखराज थाना अंतर्गत अंधावा निवासी सुरेश (40) पुत्र पन्नालाल ट्रैक्टर चालक वीरेंद्र कुमार पुत्र राम सजीवन व परवेश कुमार निवासी फत्तेकापुरा शनिवार की रात ट्रैक्टर पर बांस लादकर रायबरेली जा रहे थे। अनेठा गांव के मोड़ के समीप अचानक ट्रैक्टर पलट गया।

मिट्टी का टीला धंसने से दो लड़कियों समेत तीन की मौत

वाराणसी, संवाददाता। शक्तिनगर सीमा से सटे मप्र के सिंगरौली जिले में रविवार को बड़ा हादसा हुआ। छुई मिट्टी का टीला धंसने से दो लड़कियों समेत तीन की मौत हो गई। दो महिलाएं घायल हुई हैं। उन्हें रेस्क्यू के बाद नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। सभी मकान की पोतई के लिए छुई (पोतने वाली मिट्टी) निकाल रही थीं। सिंगरौली में जियावान थाना क्षेत्र के परसोहर गांव की महिलाएं व बालिकाएं खुरपी लेकर छुई।

सालभर में एक लाख तीन हजार लोगों की जांच, केवल 13 मरीज पॉजीटिव

भदोही, संवाददाता। जिले में एक साल में मलेरिया के एक लाख तीन हजार संदिग्ध मरीज चिह्नित हुए हैं, लेकिन इसमें केवल 13 मरीजों की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है।

मलेरिया मरीजों की निगरानी के लिए बनी आईएचआईपी (इंटीग्रेटेड हेल्थ इनफार्मेशन प्लेटफॉर्म) पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जिले में इस साल चार मलेरिया मरीज बढ़े हैं। पोर्टल के माध्यम से पॉजीटिव मरीजों की जांच, संख्या आदि का डाटा रखा जाता है। जिले में मलेरिया विभाग की निगरानी से मलेरिया मरीजों की संख्या कम हुई है। बीते साल से ही अब मलेरिया मरीजों की ऑनलाइन रिपोर्ट भी रखी जा रही है। स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात ऑपरेटर, लैब टेक्निशियन और डाटा ऑपरेटर को प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जांच रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड कर रहे हैं। नियमित जांच रिपोर्ट आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। जांच के बाद पोर्टल पर मरीज का नाम, पता, उम्र, लिंग, रिपोर्ट निगेटिव, पॉजिटिव पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं।

पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जिला अस्पताल में रोजाना एक हजार के करीब जांच होती है। वहीं पूरे साल में एक लाख तीन हजार मरीजों की जांच की गई। जिसमें केवल 13 की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। सीएमओ डॉ एस के चक ने बताया कि मलेरिया विभाग की ओर से संक्रामक बीमारियों से बचाव को लगातार काम किए जा रहे हैं। इस साल भी केवल 13 मरीज ही मिल हैं। पोटर्ल के माध्यम से रोजाना स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी इसकी मॉनिटरिंग करते हैं। लापरवाही बरतने पर कार्यवाही भी तय होगी।

प्रायोगिक परीक्षा में भी तैनात रहेंगे सेक्टर मजिस्ट्रेट

भदोही, संवाददाता। जिले में यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं भी सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में होंगी। फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू होने वाली परीक्षा के लिए परिषद ने अभी केंद्र निर्धारण नहीं किया, लेकिन शिक्षा विभाग ने प्रायोगिक परीक्षा में मजिस्ट्रेट की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परीक्षा में करीब 15 से 16 हजार छात्र–छात्राएं शामिल होंगे। इसके लिए जीआईसी में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं दूसरे चरण में फरवरी के पहले सप्ताह से शुरु होंगी। इसके लिए 60 से 70 केंद्र बनाने की संभावना है। अभी तक परिषद की तरफ से केंद्र तय नहीं हुए हैं। राजकीय, वित्तपोषित और वित्तविहीन विद्यालयों में होने वाली प्रायोगिक परीक्षा को पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन की तरफ से हर स्तर का इंतजाम किए जा रहे हैं। इस बार भी सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए जाएंगे। एक–एक मजिस्ट्रेट पांच–पांच केंद्रों की निगरानी करेंगे। इस हिसाब से 20 से 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई जाएगी। बताते चलें कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में 54 हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, जिसमें इंटर के करीब 24 हजार छात्र–छात्राएं शामिल हैं। इसमें प्रायोगिक विषय के करीब 16 हजार परीक्षार्थी ही रहेंगे। परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होंगी। साथ ही कंट्रोल रूम से प्रयोगात्मक परीक्षाओं की पर नजर रखी जाएगी। 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट प्रयोगात्मक परीक्षा के दौरान लगाए जाएंगे।

भतीजी की सगाई से छह घंटे पहले चाचा की मौत

मऊ, संवाददाता। मऊ के हल धरपुर थाना क्षेत्र के धर्मागतपुर गांधी आश्रम के पास रविवार की दोपहर रोडवेज ने आग रही बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक घायल हो गया, हेलमेट न पहनने के चलते सिर में गंभीर चोट लगने से कुछ देर में उसकी मौत हो गई। हादसे में मृत युवक की पहचान थाना क्षेत्र के ही गुलौरी गांव निवासी देवेंद्र उर्फ चंदन राम के रूप में हुई। रविवार की शाम अपने भतीजी की सगाई के लिए कुछ काम के चलते युवक बाइक से रतनपुरा बाजार निकला था, जहां यह हादसा हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। देवेंद्र कुमार के बड़े भाई श्रीनिवासी की बेटी रोशनी की सगाई रविवार को थी। इसको लेकर उसके घर में खुशी का माहौल था।

अचला सप्तमी पर 40–50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान का अनुमान, मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित

प्रयागराज, संवाददाता। अचला सप्तमी के पावन अवसर पर संगम सहित गंगा–यमुना के 24 से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। मेला प्रशासन ने अनुमान जताया है कि इस दौरान 40 से 50 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। वसंत पंचमी पर आए लाखों श्रद्धालु अभी भी मेला क्षेत्र के शिविरों में ठहरे हुए हैं, जो अचला सप्तमी स्नान के बाद वापसी करेंगे।

श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोगों की बढ़ती आवाजाही से भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन सकता है। इसे देखते हुए प्रशासन ने शनिवार को मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन बनाने की व्यवस्था की है। निर्धारित समय के बाद मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार के वाहन के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

मेलाधिकारी ऋषिराज के अनुसार अचला सप्तमी पर महाराष्ट्र, बिहार, नेपाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित प्रदेश के कोने–कोने से श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि 40 से 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

आज सुबह चार बजे से मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन

अचला सप्तमी पर भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। मेला क्षेत्र रविवार सुबह चार बजे से नो व्हीकल जोन में तब्दील हो जाएगा। एसपी नीरज पांडेय के अनुसार केवल एंबुलेंस और आपातकालीन वाहनों को ही आवागमन की अनुमति होगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। पांटून पुल संख्या एक और दो को रिजर्व रखा गया है।

अचला सप्तमी का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में सप्तमी तिथि का विशेष महत्व है। माघ मास की सप्तमी को अचला सप्तमी कहा जाता है।

इस दिन सूर्यदेव की विधिवत पूजा की जाती है। 25 जनवरी को श्रद्धालु अचला सप्तमी का व्रत भी रखेंगे। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में मसूर की दाल, गाजर और किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ के सेवन की मनाही है।

वहीं, शनिवार को भी संगम तट पर आस्था, विश्वास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर नगरवासियों से पालिका निम्नलिखित अपील करती है।

1.गृहकर ,जलकर व जलमूल्य का भुगतानं 31 मार्च 2026 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठाएं

2 दुकानो, होटलों, रेस्टोरेस्ट, नार्सिंग होम, हॉस्पिटल पर देय किराया व लाईसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।

3– अपने–अपने घरो से निकलने वाले दैनिक कूड़ो को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेंके इधर–उधर तितर–वित्तर न करें। झाडू लगने के पश्चात कूडा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फेंके अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।

4.सड़क पटरियों, नालियों व नाली पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।

5. पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।

6.जन्म–मृत्यु का पजीकरण 21 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य करायें।

7– अपने घरों के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोडकर पेयजल का अपव्यय न करें। खुली टोटी पाए जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

8 नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचायें।

9 प्रतिबन्धित पॉलिथिन थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंझे के खरीद, बिक्री, स्टोरेज व उपयोग वर्जित है. इसका उपयोग कदापि न करे, यह गम्भीर अपराध है पकड़े जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।

10. देय करो व गृह कर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा आनलाईन करें

11– डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में नगर पालिका कर्मियों का सहयोग करें।

12– शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कदापि न करें इससे बिमारी फैलती है।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, जौनपुर	समस्त मान्य सभासद नगर पालिका परिषद, जौनपुर।	(मनोरमा मौर्या) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में देश चौमुखी विकास कर रहा है : गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक और देशभक्ति के साथ सोमवार को मनाया गया। मुख्य समारोह पुलिस लाइन में आयोजित हुआ, जहां उत्तर प्रदेश के खेल कूद युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस मौके पर राज्य मंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए शहीदों को नमन किया और कहा कि आज यदि हम यहां सुरक्षित बैठे हैं तो हमारे वीर सैनिकों की देन है जो सीमा पर और देश के अदर मोर्चा संभाले हुए हैं हम उनकी इस जज्बे को सलाम करते हैं उन्होंने परेड को लेकर भी पुलिस कर्मियों का उत्साह वर्णन किया और कहा कि इसी तरह से जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखें उन्होंने देश की एकता अखंडता बनाए रखने की लोगों को शपथ दिलाया। इस मौके पर उन्होंने जनपद में पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पदक और मेडल लेकर सम्मानित भी किया। राज्य मंत्री ने कहा कि आज देश और प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में देश चौमुखी विकास कर रहा है हर तरफ विकास की गंगा बह रही है सरकार अपने सभी वादे स्वास्थ्य शिक्षा सुरक्षा सड़क बिजली पानी नौजवानों को रोजगार कानून व्यवस्था बेहतर बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रही है। पूर्व की सरकारों ने देश को पूरी तरह से खोखला कर दिया था जिसे मोदी सरकार ने भरने का काम किया है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के न्यायिक, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ प्रमुख नागरिकों ने भी भाग लिया, जिससे राष्ट्रीय पर्व की महत्ता बढ़ी। दिन की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसने पूरे जिले में देशभक्ति का माहौल बनाया। सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने ध्वजारोहण कर लोगों को शपथ दिलाई। दीवानी न्यायालय में जिला जज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्राथमिक विद्यालयों में ध्वजारोहण के बाद बच्चों को मिठाई वितरित की गई। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि और पुलिस अधीक्षक ने परेड कमांडरों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया। दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट ने परेड में शामिल जवानों का उत्साह बढ़ाया।

जौनपुर CJM कोर्ट का आदेश, 12 लोगों पर केस दर्ज अगली सुनवाई 21 फरवरी को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने जलालपुर थाना अंतर्गत सुरहुरपुर में हुए जमीनी विवाद और पुलिस की कथित निष्क्रियता पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने मंगलवार को प्रार्थी सुरेंद्र कुमार की अर्जी पर विपक्षी प्रेमशंकर व अन्य के खिलाफ परिवाद (शिकायत) दर्ज करने का आदेश दिया है। इस मामले में लगभग एक दर्जन लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना 14 जून 2025 की शाम की है। आरोप है कि विपक्षी प्रेमशंकर, रामआसरे, अरुण और उनके परिवार के लगभग 12 सदस्यों ने मिलकर सुरेंद्र कुमार की श्आबादीश की जमीन पर जबरन टिनशेड लगाकर कब्जा करने का प्रयास किया। जब सुरेंद्र कुमार और उनके बेटे संतोष व आकाश ने इसका विरोध किया, तो विपक्षीगणों ने उन पर लाठी–डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में संतोष के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गया। उसे तत्काल जिला चिकित्सालय जौनपुर रेफर किया गया। प्रार्थी सुरेंद्र कुमार का आरोप है कि उन्होंने घटना की सूचना 112 नंबर और जलालपुर थाने को समय पर दी थी। हालांकि, पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय टालमटोल की। सुरेंद्र कुमार ने यह भी आरोप लगाया है कि विपक्षीगणों के प्रभाव में आकर पुलिस ने पीड़ित पक्ष के खिलाफ ही श्क्रॉस केसश दर्ज कर लिया, जबकि पीड़ितों का उपचार सरकारी अस्पताल में चल रहा था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता यादव ने पत्रावली का अवलोकन करने के बाद पाया कि मामले में साक्ष्य और जांच की प्रक्रिया आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय के श्प्रियंका श्रीवास्तव बनाम उत्तर प्रदेश राज्यश मामले में दिए गए विधिक सिद्धांतों का हवाला देते हुए न्यायालय ने निम्नलिखित आदेश दिए कि धारा 173(4) ठठे के प्रार्थना पत्र को परिवाद के रूप में दर्ज किया जाए। मामले को संबंधित क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय में स्थानांतरित किया जाए। अगली सुनवाई और बयान दर्ज करने के लिए 21 फरवरी 2026 की तिथि निर्धारित की गई है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसा, डिवाइडर से टकराई बाइक युवक की मौके पर मौत, परिवार में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया स्थित प्रसाद स्कूल के समीप सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। केराकत कोतवाली क्षेत्र के उदय चंद्रपुर गांव निवासी अनुराग यादव (22) पुत्र सत्य प्रकाश यादव मंगलवार रात लगभग 12 बजे बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर के बाद अनुराग गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों द्वारा सूचना दिए जाने पर शीतला चौकिया चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सक डॉ. सलमान अंसारी ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ग्रामीण बैंक कर्मियों की हड़ताल जौनपुर में डेढ़ लाख करोड़ का कारोबार प्रभावित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ग्रामीण बैंक कर्मियों ने मंगलवार को एक दिवसीय हड़ताल की, जिससे जिले में लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये का कारोबार ठप हो गया। बैंककर्मी सप्ताह में पांच कार्य दिवस की अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। क्षेत्रीय कार्यालय पर ।प्त्ठम्। संगठन के पूर्व केंद्रीय पार्षद शकील अहमद के नेतृत्व में जिले भर से सैकड़ों बैंक कर्मचारी एकत्र हुए और नारेबाजी की। बैंक कर्मियों

की मुख्य मांग बैंकिंग उद्योग में सप्ताह में पांच कार्य दिवस लागू करना है, जिसमें शेष शनिवार को बैंक अवकाश घोषित किया जाए। यह मांग इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (द्वारा श्ठ्ठन के साथ 7 दिसंबर 2023 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और 8 मार्च 2024 के समझौतेध्संयुक्त नोट के आधार पर की गई है। यूनियन के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र में भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय सामान्य बीमा निगम के साथ–साथ केंद्र सरकार और अधिकांश राज्य सरकारों ने लंबे समय से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया हुआ है। उनके सभी कार्यालय सोमवार से शुक्रवार तक ही कार्य करते हैं। बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों का कहना है कि उन्हें अकेले भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है, जबकि बैंकों में काम करना तनावपूर्ण है। कर्मचारियों की भारी कमी और कई तरह के दबावों के कारण बैंक कर्मचारी अत्यधिक शारीरिक और मानसिक तनाव में काम कर रहे हैं। इसलिए, शेष शनिवार को अवकाश घोषित करने की उनकी मांग उचित और न्यायसंगत है। यूनियन ने भारत सरकार से बैंकों में पांच दिवसीय कार्यप्रणाली के प्ठ। के प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी देने की मांग की है।

फोरलेन पर भीषण सड़क हादसा,दो युवकों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली गांव के पास फोरलेन पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। अहिरौली गांव निवासी दो युवक बाइक से कहीं जा रहे थे। जैसे ही वे गांव के फोरलेन पर पहुंचे, तभी राम कलपना नामक टूरिस्ट बस की चपेट में आ गए। हादसे में बाइक सवार प्रदीप गौतम पुत्र बब्लू गौतम निवासी अहिरौली की बदलापुर अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल दूसरा युवक सुनील पुत्र भगवानदीन निवासी बरौली को हालत नाजुक देखते हुए बदलापुर से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। उधर सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बदलापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला ने बस को कब्जे में लेकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है इस मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है बस ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है।

भारतीय संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है : प्रो वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों तथा पूर्व सैनिक सुरक्षा कर्मियों ने तिरंगे को सलामी दी। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान निर्माताओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हमें अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। गणतंत्र की रक्षा करना, उसका सम्मान बनाए रखना और उसे सुदृढ़ करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है। कुलपति ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय देश के अग्रणी उच्च शिक्षण संस्थानों में निरंतर प्रगति

की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के पीछे शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों का सामूहिक परिश्रम, समर्पण और निष्ठा निहित है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र के प्रति जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक के रूप में आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में पहली बार आयोजित एनसीसी कैंप को उन्होंने गर्व का विषय बताया। साथ ही 23 जनवरी से आयोजित चार दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस समारोह का भी विधिवत समापन किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध एवं नवाचार प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। रसायन विज्ञान विभाग, रज्जू भैया संस्थान के डॉ. दिनेश कुमार वर्मा को उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों के लिए सम्मानित किया गया। वहीं भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के डॉ. श्याम कन्हैया तथा भौतिक विज्ञान विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान के डॉ. मनीष प्रताप सिंह को शोध परियोजना स्वीकृत होने पर सम्मान प्रदान किया गया। नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के डॉ. धीरेंद्र कुमार चौधरी को शोध उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश दिवस समारोह के सफल आयोजन में योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव केशलाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पुलिस ने धर्मपरिवर्तन कराने वाले 5 अभियुक्त किए गिरफ्तार भेजा जेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में लाइन बाजार थाना अंतर्गत लाइन बाजार पुलिस ने धर्मपरिवर्तन से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों एवं एक अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से धार्मिक प्रचार सामग्री भी बरामद की है।वहीं इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि अपराध निरीक्षक विजयशंकर यादव एवं महिला कांस्टेबल आरती सिंह की टीम ने 25 जनवरी रविवार को रात्रि लगभग 9रू24 बजे कार्रवाई करते हुए राजेन्द्र चौहान की बाउंड्री, कुद्दुपुर श्रीनगर के पास से वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मुन्ना चौहान पुत्र रामनन्दन चौहान निवासी कुद्दुपुर श्रीनगर, थाना लाइन बाजार, विद्युत प्रमाणिक पुत्र अनुकूल प्रमाणिक निवासी गड़गाह थाना तालचुवा जनपद केन्द्रपाड़ा (उड़ीसा), अरुण कुमार पुत्र विजय कुमार निवासी उमरपुर हरिबन्धनपुर थाना कोतवाली तथा

अमित कुमार पुत्र विजय कुमार निवासी पीली कोठी थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर शामिल हैं। वहीं अभियुक्ता सुशीला दास पत्नी विद्युत प्रमाणिक निवासी गड़गाह थाना तालचुवा जनपद केन्द्रपाड़ा (उड़ीसा) को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार सभी अभियुक्त थाना लाइन बाजार में विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धारा 3ध्5(1) के अंतर्गत वांछित थे। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 2 बाइबिल धर्मग्रंथ, 86 प्रचार पम्पलेट एवं 6 होली क्रॉस बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में धर्मपरिवर्तन से संबंधित गतिविधियों में संलिप्तता की बात सामने आई है। पुलिस ने सभी अभियुक्तों एवं अभियुक्ता को विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में अग्रिम विवेचना जारी है।

संक्षिप्त खबरें

मोटोरोला ने फ्लैगशिप सेगमेंट को अपग्रेड कर भारत में उतारा मोटोरोला सिग्नेचर स्मार्टफोन

कानपुर। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज भारत में मोटोरोला सिग्नेचर को लॉन्च किया है। यह अल्ट्रा–प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन बेहद लग्जरी है, और अपने सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है। इसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो बेजोड़ उत्कृष्टता चाहते हैं, सिग्नेचर फ्लैगशिप अनुभव को दुनिया के पहले कैमरा इनोवेशन, शानदार लग्जरी क्राफ्टमैनशिप, नेक्स्ट–जेनरेशन परफॉर्मेंस और क्यूरेटेड लाइफस्टाइल प्रिविलेज के साथ फिर से परिभाषित करता है। इस प्रीमियम इकोसिस्टम को और मजबूत करते हुए, मोटोरोला ने मोटो वॉच पावर्ड बाय पोलर भी लॉन्च की है, जो टाइमलेस वॉच डिजाइन में सेगमेंट–अग्रणी वेलनेस ट्रैकिंग देती है। मोटोरोला सिग्नेचर में दुनिया का एकमात्र ट्रिपल सोनी लिटिया प्रो–ग्रेड कैमरा सिस्टम है, जिसे डीएक्सओमार्क गोल्ड लेबल सर्टिफिकेशन की मान्यता मिली है और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में यह असाधारण फोटो और वीडियो परफॉर्मेंस देता है। डीएक्सओमार्क के कैमरा परफॉर्मेंस इंडेक्स पर 164 के कैमरा स्कोर के साथ, मोटोरोला सिग्नेचर 100,000 रुपये के सेगमेंट में भारत का नंबर 1 कैमरा फोन बन गया है। सिस्टम के केंद्र में 50एमपी सोनी लिटिया 828 मेन कैमरा है, जो अब तक का सबसे बड़ा 50एमपी सेंसर है। यह सिनेमैटिक इमेजिंग देता है, जिसमें डॉल्बी विजन वीडियो रिकॉर्डिंग 8के और 4के में 60एफपीएस तक, क्वाड पिक्सल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड नॉइज रिडक्शन और 3.5 डिग्री ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन शामिल है, जो किसी भी तरह की रौशनी में बेहद सटीक परिणाम देता है। इसमें 50एमपी सोनी लिटिया 600 पेरिस्कोप कैमरा भी दिया गया है, जिसमें 3एक्स ऑप्टिकल जूम, ओआईएस और 100 एक्स तक सुपर जूम प्रो है। साथ ही 50एमपी अल्ट्रा–वाइड प्लस मैक्रो विजन कैमरा 122 डिग्री फील्ड ऑफ व्यू और क्लोज–फोकस मैक्रो कैपेबिलिटी के साथ आता है। 50एमपी सोनी लिटिया 500 फ्रंट कैमरा 4के वीडियो 60वि पर सपोर्ट करता है। पूरे कैमरा सिस्टम को पैंटन वैलिडेटेड कलर और स्किनटोन कैलिब्रेशन तथा मल्टीस्पेक्ट्रल 3–इन–1 लाइट सेंसर से और बेहतर बनाया गया है, जो सटीक एक्सपोजर, व्हाइट बैलेंस और शानदार कलर रिप्रोडक्शन के लिए है। इमेजिंग अनुभव को पावर देने वाला मोटो एआई और गूगल एआई फीचर्स का एक एडवांस्ड सूट है, जो प्रोफेशनल फोटोग्राफी को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एआई सिग्नेचर स्टाइल सीन के आधार पर इंटेलिजेंटली कलर, कंट्रास्ट और टोन को अपनाता है, जबकि एआई एक्शन शॉट हाई–मोशन मोमेंट्स को एन्हांस्ड शटर स्पीड और क्लैरिटी के साथ फ्रीज करता है। एआई ग्रुप शॉट मल्टीपल फ्रेम्स को मर्ज करके हर चेहरे को शार्प बनाता है, बंद आंखों को खत्म करता है, और एआई ऑटो स्माइल कैप्चर परफेक्ट मोमेंट को ऑटोमैटिक तरीके से कैप्चर करता है। एआई फोटो एन्हांसमेंट इंजन, एआई एडाप्टिव स्टेबलाइजेशन और एआई कलर ऑप्टिमाइजेशन रियल टाइम में डिटेल, डायनामिक रेंज और नेचुरल स्किन टोन्स को रिफाइन करते हैं।

यूजीसी बिल को लेकर जनप्रतिनिधि 'अंधे कानून' बनकर बैठे हैं, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : प्रवीण तिवारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को सवर्ण आर्मी के हजारों कार्यकर्ताओं ने यूजीसी कानून के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र को सौंपा। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रवीण तिवारी ने बताया कि यह यूजीसी बिल समाप्त करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आए दिन आरक्षण और जाति के आधार पर समाज को बांट रही है, और इसी तरह का नियम यूजीसी में भी लागू किया गया है, जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। तिवारी ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि अंधे कानून बनकर बैठे हैं, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनकी प्रमुख मांग है कि यूजीसी के इस बिल को वापस लिया जाए। बरेली के एसडीएम अलंकार अग्निहोत्री के इस्तीफे पर प्रवीण तिवारी ने कहा कि उन्होंने वह काम किया है जो देश के विधायकों, सांसदों और नेताओं को करना चाहिए। उन्होंने अग्निहोत्री के इस्तीफे को पूरे देश और समाज के लिए एक सीख बताया, जो यह दर्शाता है कि वे अपने समाज के नौजवान साथियों के साथ खड़े हैं। जगतगुरु शंकराचार्य से जुड़े प्रयागराज की घटना को निंदनीय बताते हुए तिवारी ने कहा कि यदि शंकराचार्य से उनकी योग्यता का प्रमाण मांगा जा रहा है, तो देश के प्रधानमंत्री उनके पैर छूने क्यों गए थे? उन्होंने सवाल उठाया कि उत्तर प्रदेश के तमाम सांसद और विधायक उनसे पूजा क्यों करवाते हैं, और यदि आज सरकार प्रमाण मांग रही है, तो एक साल पहले ये लोग कहां थे। उन्होंने इसे बिल्कुल गलत बताते हुए इसका घोर विरोध किया। सवर्ण आर्मी ने चेतावनी दी कि यह प्रदर्शन पहले जनपद स्तर पर है, फिर प्रदेश स्तर पर होगा। यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे देश स्तर पर ज्ञापन देने के बाद दिल्ली के जंतर–मंतर पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करेंगे। तिवारी ने यह भी कहा कि सांसद और विधायक इस मुद्दे पर इसलिए नहीं बोल रहे हैं क्योंकि उनके बच्चे यूनिवर्सिटी में नहीं पढ़ते हैं।

एक साल में पैसा दोगुना करने का लालच देकर 85 लाख रुपये हड़पने वाला आरोपित युवक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज तिराहे के पास मंगलवार की सुबह पुलिस ने एक वर्ष में पैसा दुगुना करने के नाम पर 85 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर को गिरफ्तार कर लिया।इतनी बड़ी ठगी की घटना की जानकारी होने पर हड़कम्प मच गया। थाना क्षेत्र के बैजाबाद गांव निवासी कमला प्रसाद चौहान पुत्र स्वर्गीय फागू चौहान ने अपना खेत बेचकर लाखों रुपये यूनियन बैंक के अपने खाते में रखा था।उसके गांव का एक रिश्तेदार अर्जुन चौहान पुत्र कृष्णमुरारी चौहान निवासी पचोखर थाना लाइनबाजार उसके साथ छलकपट किया।उसने कमला प्रसाद चौहान से एक वर्ष में उसके पैसे को दुगुना करने के नाम पर 85 लाख रुपये ले लिया इसमें से 20 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से लिया था बाकी 65 हजार रुपये कई पार्ट में बैंक से निकलवाकर कैश लिया था।इस पैसे की जगह उसने अपने परिचित इस्माइल अहमद पुत्र मुमताज अहमद निवासी अहमद खां मंडी थाना कोतवाली जौनपुर की मदद से एसबीआई की फर्जी एफडी दे दिया।लगभग छह माह बाद जब कमला प्रसाद चौहान ने पैसे की रसीद मांगी तो वह आनाकानी करने लगा।शक होने पर पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दिया।पुलिस ने तहरीर के आधार पर ऊक्त दोनों पर मुकदमा दर्ज कर लिया।मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस सक्रिय हो गयी।मंगलवार को पुलिस ने हौज तिराहे के पास से शातिर अर्जुन चौहान को गिरफ्तार कर लिया।वह मुंबई भागने के फिराक में था।थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि आरोपी अर्जुन चौहान ने कमला चौहान को धोखाधड़ी से एक वर्ष में पैसा दुगुना करने के नाम पर 85 लाख की ठगी कर लिया।उसमें उसके एक और व्यक्ति शामिल है।अर्जुन ने लाखों रुपये कहां और क्या किया इसकी जांच की जा रही है।वैसे शुरुआत के जांच में उसके द्वारा ऑनलाइन जुआ खेलने की बात सामने आ रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।